PRE-BOARD-I EXAMINATION - 2024-25
CLASS- 10
HINDI

Maximum Marks: 80
Time allowed: Three hours
Answers to this Paper must be written on the paper provided separately.
You will not be allowed to write during the first 15 minutes.
This time is to be spent in reading the question paper.
The time given at the head of the paper is the time allowed for writing the answer.

Section A is compulsory– All questions in Section A must be answered .
Attempt any four questions from Sections B.

SECTION A (40 Marks)
(Attempt all questions from this section)

प्रश्न1-निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 250 शब्दों में संक्षिप्त लेख लिखिए:- (15)

(i) ' परोपकार की भावना लोक कल्याण से पूर्ण होती है ।' हमें भी परोपकार से भरा जीवन जीना चाहिए। इस विषय को स्पष्ट करते हुए अपने विचार लिखिए।

(ii) मानव के जीवन में मित्रों का क्या महत्व है, ये किस प्रकार व्यक्ति के जीवन को प्रभावित करते है?इस विषय पर अपने विचार लिखिए

(iii) पर्यटन से शैक्षिक ज्ञान का पूर्ण लाभ मिलता है ।यह बताते हुए अपने विद्यालय की ओर से किए गए पर्यटन का और उसकी व्यवस्था का वर्णन कीजिए।

(iv) ' झूठ के पांव नहीं होते ' या 'सत्य की कभी हार नहीं होती ।' इस कथन पर आधारित कोई मौलिक कहानी लिखिए।

(v) नीचे दिए गए चित्र को ध्यान से देखिए और चित्र को आधार बनाकर ,उसका परिचय देते हुए कोई लेख,घटना या कहानी लिखिए ,जिसका सीधा व स्पष्ट संबंध चित्र से होना चाहिए।

प्रश्न2 निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 120 शब्दों में पत्र लिखिए:- **(7)**

(1) अपने क्षेत्र के विद्युत बोर्ड के मुख्य अभियंता के नाम एक पत्र लिखिए, जिसमें बिजली की आपूर्ति नियमित करने के लिए अनुरोध किया गया हो।अपने बड़े भाई साहब को एक पत्र लिखिए, जिसमें आपके विद्यालय में हुई वाद-विवाद प्रतियोगिता में आपको जो पुरस्कार मिला है, उसका वर्णन कीजिए।

प्रश्न3 निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर लिखिए। **(10)**
(उत्तर यथासंभव आपके अपने शब्दों में होने चाहिए)

Downloaded from www.icsboard.org

प्राचीन भारत में राजा महाराजाओं में युद्ध होना आम बात थी। एक बार की बात है , दो राजाओं के बीच भयंकर युद्ध हुआ, जैसा कि होता है किसी एक की विजय होती है तो एक ही हार होती है। यहाँ भी ऐसा ही हुआ एक राजा युद्ध में हार गया। उसे जन- धन की बहुत हानि हुई । उसके संगी साथी भी उससे बिछड़ गए । वह पूरी तरह से अकेला पड़ गया था, अब बस उसके प्राणी ही शेष थे, परंतु शत्रु राजा उसे छोड़ना नहीं चाहता था ।उसके सैनिक पराजित राजा को ढूँढ रहे थे । पराजित राजा अपना जीवन बचाने के लिए भागा- भागा फिर रहा था। स्थिति यह थी कि वह अब मरा कि तब मरा ।

उसने छुपते-छुपाते एक गुफा में शरण ली । वह मन से पूरी तरह पराजित हो चुका था गुफा में छुपा हुआ भी वह मानो अपनी मृत्यु की प्रतीक्षा कर रहा था । उसे इस बात का पूरा विश्वास था कि शत्रु की तलवार कभी भी उसका काम तमाम कर देगी । वह इन्हीं विचारों में खोया हुआ था कि उसकी नजर एक मकड़ी पर पड़ी जो गुफा के मुख पर जाला बनाने में व्यस्त थी । उसकी कोशिशें बार-बार नाकाम साबित हो रही थी , लेकिन उसने प्रयास करना नहीं छोड़ा।

राजा ने सोचा कि वह बेकार ही प्रयत्न कर रही है ,भला आधार के बिना जाला कैसे बन सकता है? लेकिन थोड़ी ही देर बाद राजा ने देखा कि मकड़ी जाला बनाने में सफल हो गई है। पूरी गुफा के मुख पर जाला बन चुका था । तभी शत्रु सैनिक वहाँ आ पहुँचे, लेकिन गुफा के मुख पर मकड़ी का जाला बना देख वे फिर लौट गए । करीब आई मृत्यु तो टल गई पर राजा एक गहरे विचार में पड़ गया । उसने सोचा, "मैं तो तन- मन से पराजित था अतः मैंने मकड़ी को भी हारा हुआ मान लिया था , लेकिन वह छोटी -सी मकड़ी हारी नहीं थी । वह बार-बार गिरकर भी निराश और कमजोर नहीं हुई, तो क्या मैं मनुष्य होकर भी इस मकड़ी से दुर्बल हूँ?"

उसने अपने मन को मजबूत किया और संकल्प किया कि वह अपने शत्रु को अवश्य पराजित करेगा । वह तुरंत उस गुफा से बाहर आया । अब वह हताश- निराश पराजित राजा नहीं था, वरन् मजबूत इरादों वाला राजा था , जिसे हर हाल में विजय प्राप्त करनी थी। उसने अपने साथियों को एकत्र किया और अंत में अपने शत्रु को हराकर पुनः अपना राज्य प्राप्त किया।

(i) पराजित राजा ने कहाँ और क्यों शरण ली ? (2)

(ii) गुफा में राजा ने किसे, क्या करते देखा ? उसे उसका प्रयास बेकार क्यों लगा ? (2)

(iii) राजा के प्रभावित होने का कारण क्या था ?स्पष्ट कीजिए। (2)

(iv) राजा द्वारा लिए गए संकल्प को स्पष्ट कीजिए ।यह संकल्प उसने क्यों लिया था ? (2)

(v)प्रस्तुत गद्यांश में निहित संदेश बताइए। (2)

प्रश्न 4

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तरनिर्देशानुसार बताएं:- (8)

1- **'स्वाधीन ' शब्द का विलोम शब्द है :-**

(A) गुलाम (B) अधीन (C) पराधीन (D) परतन्त्र

2- **' हवा' शब्द का पर्यायवाची है-**

(A) अनल-हुताशन (B) पावन-शुद्ध (C) अनिल-समीर (D) अनंग-काम

3- **'राष्ट्र 'शब्द की भाववाचक संज्ञा बताइए :**

(A) राष्ट्री (B) राष्ट्रीय (C)सौराष्ट्र (D) राष्ट्रीयता

4- **'ग्राम' का विशेषण बताइए :**

(A) ग्रामय (B) गाम्र (C) ग्राम्य (D) ग्रामर्य

5- **'मनुसुता 'शब्द का शुद्ध रूप बताइए -**

(A) मनुस (B) मनुष्यतां © मनूष्यता (D) मनुष्य

6- **'आँखे खुल जाना' मुहावरे का अर्थ बताइए:**

(A) लज्जा से गड़ जाना (B) अत्यधिक प्रेम करना

(C) वास्तविकता का ज्ञान होना (D)नींद खुल जाना

7- **निर्देशानुसार उचित वाक्य बताइए :-**

तप करने जाते हुए मुनि को मार्ग में नारद मिले। (वाक्य में 'दर्शन दिए' का प्रयोग कीजिए)

Downloaded From www.rsebpdf.org

(A) तप करने जाते हुए ऋषियों को मार्ग में नारद में दर्शन दिए ।
(B)तपस्या करने जाते हुए मुनियों को मार्ग में नारद ने दर्शन दिए।
(C)तप करने जाते हुए मुनियों को रास्ते में नारद ने दर्शन दिए ।
(D) तप करने जाते हुए मुनि को मार्ग में नारद ने दर्शन दिए।

8- **निर्देशानुसार उचित वाक्य बताइए :-**

गर्मियों में लोग शिमला घूमने जाएंगे । (वर्तमान काल में बदलिए)

(A) गर्मियों में लोग शिमला घूमने जाते थे।
(B) गर्मियों में लोग शिमला घूमने आएँगे ।
(C) गर्मियों में लोग शिमला घूमने गए । '
(D) गर्मियों में लोग शिमला घूमने जाते हैं ।

SECTION B (साहित्य सागर-संक्षिप्त कहानियाँ)

नोट:- किन्ही चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

प्रश्न 5 निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

" भारत के भिन्न-भिन्न प्रदेशों में छोटा-मोटा व्यवसाय, नौकरी और पेट पालने की सुविधाओं को खोजता हुआ जब तुम्हारे घर में आया, तो मुझे विश्वास हुआ कि मैंने घर पाया ।

(संदेह' लेखक- जयशंकर प्रसाद)

(i) वक्ता के अनुसार अधिक चतुराई क्यों बुरी है? (2)
(ii) वक्ता ने अपनी तुलना किससे की और क्यों? (2)
(iii) यह वाक्य किसने, किससे और क्यों कहा? (3)
(iv) "मृग- मरीचिका" का क्या अर्थ है? वक्ता ने किसे 'मृगमरीचिका' कहा है ? (3)

प्रश्न 6 निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

"मौसी हमें ऐसी तस्वीर नहीं, अच्छी-अच्छी तस्वीरें दिखाओ , राजा- रानी की , परियों की ।"
उस तस्वीर को अधिक देर तक देखना बच्चों के लिए असह्य हो उठा था ।

(दो कलाकार- मन्नू भंडारी)

(i) बच्चे इस समय कहाँ है ? इन बच्चों का संक्षिप्त परिचय दीजिए । (2)
(ii) बच्चे किस तस्वीर को नहीं देखना चाहते थे और क्यों? (2)
(iii) अरुणा और चित्रा की मित्रता के विषय में अपने विचार लिखिए और यह भी बताइए कि उन दोनों के स्वभाव में क्या क्या अंतर था? (3)
(iv)'दो कलाकार' कहानी के शीर्षक की सार्थकता को सिद्ध कीजिए । (3)

प्रश्न7

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर दीजिए:-

"अब आप इन तीनों रंगीन प्राणियों को देखिए । आप इन्हें न पहचान पाए होंगे । ये सब इस लोक के जीव तो हैं नहीं। ये तो स्वर्ग के देवता है, जो हमें सदुपदेश देने के लिए पृथ्वी पर उतरे हैं।

(भेड़े और भेड़िए- हरिशंकर परसाई)

(i) तीन रंगीन प्राणी किन्हे कहा गया है और क्यों? (2)
(ii) बूढ़े सियार ने तीनों प्राणियों के संबंध में क्या कहा और ये कहाँ के देवता है? (2)

Downloaded From www.icsboard.org

(iii) भेड़िए के समर्थन में किसने और क्या कहा? (3)

(iv) प्रस्तुत कहानी की प्रतीकात्मक पर प्रकाश डालिए। (3)

साहित्य सागर- पद्य भाग

प्रश्न8 निम्नलिखित पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर दीजिए:-

' जाके प्रिय न राम वैदेही ।
तजिए ताहि कोटि बैरी सम जद्पि परम सनेही।
तज्यो पिता प्रहलाद ,विभीषण बन्धु, भरत महतारी।
बलि गुरू तज्यो , कंत ब्रज बनिता हिन,भए- मुद मंगलकारी।।"

(विनय के पद - तुलसीदास)

(i) उक्त पंक्तियाँ किस भाषा में रचित हैं? पहली पंक्ति का अर्थ स्पष्ट कीजिए। (2)

(ii) इस पद्यांश में कवि ने क्या करने की सलाह दी है और क्यों? (2)

(iii) पद के आधार पर बताएँ कि किस- किसने किसे त्यागा था? (3)

(iv) महाकवि तुलसीदास जी का जीवन परिचय लिखिए। (3)

प्रश्न 9 निम्नलिखित पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर दीजिए:-

"मार्ग के बाधक पहरेदार
सुना है ऊँचे- से सोपान।
फिसलते हैं ये दुर्बल- पैर
चढ़ा दो मुझको हे भगवान।"

(मात् मंदिर की ओर -सुभद्रा कुमारी चौहान)

(i) 'बाधक' शब्द का अर्थ लिखते हुए बताइए कि मार्ग के बाधक कौन है ? (2)

(ii) प्रस्तुत पंक्तियों की वक्ता कहाँ जाना चाहती है और क्यों ? (2)

(iii) कविता के आधार पर बताएं कि रचनाकार भगवान से क्या-क्या प्रार्थना करता है ? उसे क्या भय है? (3)

(iv)प्रस्तुत कविता का केंद्रीय भाव लिखिए। (3)

प्रश्न 10 निम्नलिखित पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर दीजिए:-

क्या राह में परिचय कहूँ, राही हमारा नाम है।
चलना हमारा काम है ।
जीवन अपूर्ण लिए हुए , पाता कभी ,खोता कभी ,
आशा- निराशा से घिरा, हँसता कभी, रोता कभी।
गति मति न हो अवरुद्ध, इसका ध्यान आठों याम है।

(चलना हमारा काम है- कवि शिवमंगलसिंहसुमन)

(i) 'राही' किसे कहा गया है और क्यों ? (2)

(ii) कवि के अनुसार प्रत्येक व्यक्ति को जीवन में किस- किस प्रकार के अनुभवों का सामना करना पड़ता है? (2)

(iii)'आठों याम 'से कवि का क्या अभिप्राय है? इस समय में कवि प्रभु से क्या प्रार्थना करते हैं और क्यों? (3)

(iv) जीवन में निरंतर चलते रहना क्यों आवश्यक है? यदि मनुष्य के दिल में लगातार चलने की चाह ही नहीं रहे तो इसके क्या-क्या दुष्परिणाम हो सकते हैं ?कविता के आधार पर बताइए (3)

Downloaded From www.icseboard.org